Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College

Sri Ganganagar

INTERNATIONAL CONFERENCE ON

Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development: Issues, Challenges and Prospects

Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College

Hindumal Kot Road

Sri Ganganagar (Rajasthan) -335001

International Conference

Theme: Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development: Issues, Challenges and Prospects

Organisers:

Patron: Dr. Madan Singh Poonia, Officiating Principal

Convener: Dr. R.C. Srivastava, HOD, Geography Department

Organizing Secretary:

Dr. S.S. Khinchi

Dr. A.K. Shairya (Academic)

Sh. D.D. Sharma (Technical)

Dr. R.K. Tak (Admnistration)

Dr. S.K. Verma (Co-Org. Secretary)

International Conference

Theme: Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development: Issues, Challenges and Prospects

29-30 November 2019

(Department of Geography)

भूगोल विभाग द्वारा आयोजित इस अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का शीर्षक **ERMRD-2019 "Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development : Issues, Challenges and Prospects''** विश्व में चल रही नवीनतम पर्यावरणीय चिंताओं एवं स्थानीय स्तर पर विद्यमान समस्याओं को ध्यान में रख कर चुना गया। इस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य सिर्फ भूगोल के विद्यार्थियों को केन्द्र में रखते हुए समस्त डिसिप्लीन को ध्यान में रखकर किया गया, समस्त संकायों को इस अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन से अत्याधिक फायदा मिल सके, विषय विद्वानों के ज्ञान से लाभ प्रदान करने का उद्देश्य रहा है।

आयोजन समिति –

इसके आयोजन से पूर्व महाविद्यालय में भूगोल विभाग की कॉन्फ्रेंस कमेटी जिसके संरक्षक प्राचार्य महोदय डॉ. एम.एस. पूनिया, संयोजक डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, आयोजन सचिव डॉ. एस.एस. खींची, अकादमिक सचिव डॉ. ए.के. शहैरिया, तकनीकी सचिव श्री डी.डी. शर्मा एवं प्रशासिनक सचिव डॉ. आर.के. टाक नामित किये गये ।

अन्तर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति में जापान, थाइलैण्ड, तुर्की, नेपाल, बांग्लादेश के विद्वानों को रखा गया। इसी प्रकार से देश के ख्याति प्राप्त पर्यावरण/भूगोल के विद्वानो को शामिल किया गया जो कि जे.एन.यू., नई दिल्ली, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस, उदयपुर, गोवा, असम, पंजाब, दार्जिलिंग, गुजरात, आदि जगह के विद्वानों को राष्ट्रीय सलाहकार मण्डल में रखा गया। इन सबके अतिरिक्त महाविद्यालय के समस्त पी.जी. विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ महाविद्यालय

के भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्षों डॉ. एच.एम. सक्सैना, डॉ. एन.आर. कस्वां एवं श्री रामचन्द्र रैगर भी सलाहकार समिति के सदस्यों के रूप में नामित किये गये ।

कान्फ्रेंस के उद्देश्य –

पर्यावरण मानवीय समाज का अभिन्न हिस्सा है, पर्यावरण का प्राकृति व मानव निर्मित समाज निश्चित रूप से मनुष्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किन्तु वर्तमान में पर्यावरण के साथ मानवीय छेड़छाड़ के कारण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, जंगलों का दोहन, बिगड़ता पारिस्थितिक तंत्र, प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध विदोहन ये सब मिलकर समाज के समक्ष एक चुनौति बनकर खड़ा हो गया है। कॉन्फ्रेंसे का उद्देश्य इन्हीं पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति बुद्धिजीवी वर्ग नीति निर्माताओं का ध्यान आकृष्ट करना रहा है तथा पर्यावरण के सुधार की संभावनाओं को तलाशा गया, विषय विद्वानों/शोधार्थियों ने निम्न बिन्दुओं पर भी चर्चा की :

1. पर्यावरणीय आचार, शिक्षा, प्रशासन व प्रबन्धन
2. प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन और संरक्षण
3. पर्यावरणीय मुद्दे एवं जैव विविधता
4. वैश्विक जलवायु परिवर्तन एवं समस्याएं
5. पर्यावरण : योजना व शिक्षा
6. प्राकृतिक संसाधनों के प्रबन्धन में आधुनिक तकनीकी का उपयोग
7. क्षेत्रीय विकास : समकालीन परिवर्तन
8. पर्यावरण लिंग एवं स्वास्थ्य

दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में मंच पर मॉ सरस्वति की दीप प्रज्जवलन के पश्चात् मुख्य अतिथिः प्रो. बी.सी. वैध, जवाहरलाल नहेरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, मुख्य वक्ता श्री राजेन्द्र केरकर जानमाने पर्यावरण विद्, गोवा, अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य एवं कॉन्फ्रेंस संरक्षक डॉ. एम.एल. पूनिया, कॉन्फ्रेंस संयोजक एवं विभागाध्यक्ष भूगोल डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव एवं कॉन्फ्रेंस आयोजन सचिव डॉ. एस.एस. खींची मंचासीन रहे ।

कॉन्फ्रेंस के मुख्य वक्ता देश के प्रख्यात पर्यावरणविद् गोवा निवासी श्री राजेन्द्र केरकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि विदेशी वृक्षों को लाकर देश में लगाना विवेकहीन निर्णय हैं।

हमे अपने स्थानीय वृक्षों यथा नीम, वटवृक्ष, पलाश, तुलसी व पीपल आदि की अवहेलना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने प्राचीन धर्म ग्रन्थों की ओर लौटना होगा, जिनमें पर्यावरणीय नैतिकता की शिक्षा समाज को दी गई है। इन धर्म ग्रंथों से प्रभावित होकर ही हमारा समाज वृक्ष, नदी, पृथ्वी तथा समस्त जीव जन्तुओं की अराधना व संरक्षण किया करता था।

श्री केरकर ने कहा कि आज हम पर्यावरण का अंधाधुंध दोहन कर रहे है और आवश्यकता से अधिक रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कर रहे हैं। नदियां प्रदुषित हो रही है, जीव जन्तु विलुप्त होने के कगार पर आ गये है। मरूस्थल का विस्तार होता जा रहा है, वहीं दूसरी और समाज में कैंसर जैसे घातक रोग बढ़ रहे हैं, हमें इस स्थिति को लेकर अभी से चिंतित होकर इससे बचने एवं पर्यावरण को बचाने की दिशा में काम करना होगा क्योंकि स्थिति दिनों दिन बदतर होती जा रही है।

अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के राजनीति भूगोल के विभागाध्यक्ष एवं पर्यावरणविद् प्रो. बी.सी. वैध ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए आम आदमी को आगे आकर प्रयास करने होगें। पृथवी की निरंतरता को बनाये रखने के लिए समस्त प्राकृतिक संसाधनों एवं जीव जन्तुओं की उपस्थिति जरूरी है। यदि इन सभी को बचाने हेतु प्रयास नहीं किये तो पारिस्थितिक संकट समस्त प्राकृतिक दशाओं के विनाश का करण बन जायेगा ।

मेजबान महाविद्यालय प्राचार्य एवं कॉन्फ्रेंस के संरक्षक डॉ. एम.एस. पूनिया के स्वागत भाषण से इस कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ, इन्होंने आशा जताई कि इस कॉन्फ्रेंस में पर्यावरण से संबन्धित मुद्दे, समाज व नीतियों पर गंभीरता से चर्चा कर पर्यावरण को संरक्षित व सुरक्षित करने में कामयाब हो पायेगें ।

कॉन्फ्रेंस संयोजक डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव ने बताया कि पृथ्वी एक तंत्र है, हम सब का नैतिक दायित्व है कि हम न्यायपूर्वक भौतिक संसाधनों का उपयोग करें। विलासिता के साधनों में निरन्तरता को छोड़कर आगे बढ़े। पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं के योगदान की उन्होंने सराहना की।

मुख्यवक्ताओं के उद्बोधन के पश्चात् पूर्व विभागाध्यक्षों एवं भूगोल तथा पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए ''लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। इनमें श्री राजेन्द्र केरकर पर्यावरणविद्– गोवा, प्रो. बी.सी. वैध, विभागाध्यक्ष–जे.एन.यू., नई

दिल्ली, प्रो. सत्यनारायण प्रसाद – जे.एन.यू. नई दिल्ली, प्रो.आर.के. परिहार – जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्रो. हेमन्त पेण्डनेकर, मुम्बई, प्रो. के.एस. सोहेल – पटियाला विश्वविद्यालय, पटियाला, महाविद्यालय के पूर्व विभागध्यक्ष भूगोल डॉ. एच.एम. सक्सैना, डॉ. एन.आर. कस्वां, एवं प्रो. रामचन्द्र रैगर को जीवन पर्यन्त की गई सेवाओं के लिए इस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

तद्उपरांत अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के आयोजन के लिए स्थानीय महाविद्यालयों द्वारा किये गये आर्थिक सहयोग के लिए 22 संस्था प्रधानों को सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह के समापन पर कॉन्फ्रेंस के आयोजन सचिव डॉ. एस.एस. खींची ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया ।

सेमिनार के सोविनियर का विमोचन –

अतिथियों, मुख्यवक्ताओं के सम्बोधन के बाद कॉन्फ्रेंस में प्रतिभागी, विद्वानों/शोधार्थियों द्वारा भेजे गये शोधसार को सोवियिनर के रूप में छापा गया सभी मंचासीन अतिथियों ने इसका विमोचन किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए देश–विदेश के अनेकों विद्वानों ने अपने शोध पत्र वंचन एवं छापने हेतु भेजे। इनमें से मुख्य विदेशी विद्वान पौलेण्ड, जर्मनी, सूडान, कनाडा, यूक्रेन, चीन पाकिस्तान, बाग्लादेश, थाईलैण्ड, तुर्की एवं नेपाल से थे। देश के कोने–कोने से भी विद्वानों ने कॉन्फ्रेंस के लिए अपने आप को नामांकित किया एवं अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर समस्याओं का हल ढूंढने हेतु विचार मंथन किये।

सेविनियर के प्रकाशन से पूर्व प्रदेश के राज्यपाल महामहीम श्री कलराज मिश्रा, मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, श्री अशोक गहलोत, उच्च शिक्षा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी, तकनीकी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा विभाग एवं मेडिकल एवं स्वास्थ्य मंत्री सुभाष गर्ग, स्थानीय सांसद श्री निहाल चंद, विधायक श्रीगंगानगर–श्री राजकुमार गौड़, आयुक्त कॉलेज शिक्षा एवं विशिष्ट शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग श्री प्रदीप बोरड़, कॉन्फ्रेंस संरक्षक एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. मदन सिंह पूनिया एवं विभागाध्यक्ष भूगोल व कॉन्फ्रेंस संयोजक डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव के बधाई संदेश हमे प्राप्त हुए, इन्हे सोविनियर में प्रकाशित कर कॉन्फ्रेंस आयोजन समिति गौरवान्वित हुई एवं नई ऊर्जा के साथ कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन करने में दिनरात हुट गई।

मुख्य प्रतिभागी –

कान्फ्रेंस में मुख्य रूप से पोलैण्ड, जर्मनी, सूडान, पाकिस्तान, तुर्की, नेपाल, बांग्लादेश, चीन, यूक्रेन, एवं कनाडा के साथ देश के कोने–2 से विद्वानों एवं शोधार्थियों ने अपने शोधसार भेजे एवं कान्फ्रेंस में लगभग 700 शोधार्थियों, विद्वानो एवं विद्यार्थियों ने अपना नामांकन करवाया।

शोध पत्र प्रस्तुति –

कॉन्फ्रेंस में पधारे शोधार्थियों एवं विद्वानों में नियमित समानान्तर दो सत्रों में लगभग 50 शोध पत्र प्रस्तुत किये एवं प्रस्तुतिपरांत श्रोताओं की जिज्ञासाओं को शांत किया। समस्त सत्रों में विद्वानों के प्रस्तुतिकरण के साथ विचार मंथन भी हुए, जिसके निचोड़ स्वरूप कई समाधान प्रस्तुत किये गये। जिससे नये विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को नई दिशा एवं नई सोच प्रदान की गई जो भविष्य में पर्यावरण, संसाधन विकास एवं संरक्षण ने सहायक सिद्ध होगें।

पुस्तक प्रकाशन –

प्रस्तुत शोध पत्रों से एवं प्राप्त शोध पत्रों को चार संपादित पुस्तकों का प्रकाशन करवाया गया।

सास्कृतिक संध्या –

कॉन्फ्रेंस में देश के कोने से पधारे प्रतिभोगियों के लिए प्रदेश की विश्व प्रसिद्ध रंगीली सांस्कृतिक धरोहर से परिचय करवाने हेतु एवं सांयकालीन सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थानी लोक नृत्यों के साथ पंजाबी लोक नृत्यों की प्रस्तुतियां दी गई। प्रस्तुतियों में झुमते हुए प्रतिभागियों में से कुछ अतिथियों ने भी अपनी–अपनी प्रस्तुतियां देकर दर्शकों से तालियां बटौरी तद्उपरान्त स्वादिष्ट भोजन का आनन्द लेते हुए प्रतिभागियों ने ग्रुप्स में बैढकर विचार मंथन कर रात्रि विश्राम किया ।

बार्डर भ्रमण –

कान्फ्रेस का द्वितीय दिवस (30 नव. 2019) की प्रातः देश के कोने–कोने से पधारे विद्वानों, कॉन्फ्रेंस भागीदारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा पर बसे गांव हिन्दूमलकोट के

बार्डर भ्रमण के ट्रिप का आयोजन किया गया। इस भ्रमण से प्रतिभागियों ने बार्डर पर बसे पाकिस्तान के गांव का दीदार किया। जलपान के उपरांत दो–दो तकनीकी सत्रों का निरंतर संचालन किया गया, इन सत्रों में अध्यक्षता सीनियर प्रोफेसरों द्वारा की गयी। शोधार्थियों को शोध पत्रों के प्रस्तुतिकरण के गुर भी इनके द्वारा सिखलाये गये, कॉन्फ्रेंस में शोध पत्रों के प्रस्तुतिकरण की बारीकियों पर भी इन प्रोफेसरों द्वारा अपने अनुभव साझा किये गये। जिनका सीधा फायदा उपस्थित श्रोताओं को मिला।

पर्यावरण प्रदुषण एवं संरक्षण विषयक पोस्टर प्रतियोगिता –

दोपहर के भोजनावकाश के उपरांत तकनीकी सत्रों के साथ ही महाविद्यालय परिसर के कक्षा–कक्षों में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये (पर्यावरण प्रदुषण एवं संरक्षण विषय पर) पोस्टर का भी प्रदर्शन किया गया। अतिथियों की तीन निर्णायक टीमों द्वारा इस पोस्टर प्रदर्शनी में लगे पोस्टरों से विजेता चुने गये, जो निम्नानुसार है –

इसमें प्रथम विजेता – कुलदीप कौर (पदमपुर), प्रियंका (संगरिया), यशिका (श्रीगंगानगर) एवं किरण (पदमपुर)

द्वितीय विजेता – फूला (अनूपगढ़), अमनदीप कौर (संगरिया), यशस्वी वर्मा (श्रीगंगानगर)

तृतीय विजेता – निशू (पदमपुर), निहारिका (सूरतगढ़), सुशीला (संगरिया) एवं जयदीप संधु संयुक्त विजेता घोषित किये गये ।

कान्फ्रेंस का समापन सत्र –

सांयकालीन समापन सत्र के मुख्य अतिथि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. जैना राम नागौरा थे, इन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रकृति ने हमे अनमोल उपहार प्रदान किये गये लेकिन मानव के अविवेकपूर्ण दोहन से आज दिल्ली का दम घुट रहा है, सांभर झील में परिंदे मर रहे है और आज हमारी आज की पीढ़ी मास्क लगाकर घूमने को मजबूर हो रही है। इस भयावह स्थिति के लिए हम जिम्मेदार है। आज समय की मांग है कि हम अपरिग्रह का सिद्धान्त अपनाएं, बुद्ध, महावीर, गांधी के दर्शन पर जीवनयापन करें, प्रकृति के साथ तारतम्य स्थापित करें। जरूरत से अधिक खनन प्रकृति से विद्रोह एवं अनुशासनहीनता है। इन्होंने वृक्षों के लिए अपना जीवनदान देने वाली अमृतादेवी व 265 लोगों

के बलिदान को याद करते हुए यह आह्वान किया कि हमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों के पर्यावरण से जोड़ना ही होगा। हर आदमी अपना दायित्व निभाए तो हम पर्यावरण को बचा सकते हैं।

पंजाबी युनिवार्सिटी पटियाला के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.कलजीत सिंह सोहल ने अपने शोध प्रस्तुति में पंजाब में कृषि उत्पादन, रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग, मृदा की घटती उर्वरता, सिंचाई सुविधाओं आदि समस्याओं पर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया तथा नई तकनीकी की ओर ध्यान आकृष्ट किया।

आज के दोनों तकनीकि सत्रों में साहित्य पर्यावरण चेतना, गांधी का पर्यावरणीय चिंतन आदि पर विचार वयक्त किये। इन सत्रों की अध्यक्षता मुम्बई विश्वविद्यालय के डॉ. हेमन्त पेण्डणेकर, जे.एन.यू. नई दिल्ली के प्रो. एस.एन. प्रसाद, गुजरात– जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. स्वामीनाथन ने की। इसमें देश के दूर दूरस्थ क्षेत्रों से पधारे विषय विशेषज्ञों ने पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं यथा संसाधन उपभोग, क्षेत्रीय विकास, पर्यावरण अवनयन, कृषि उत्पादन, जैव विविधता ह्रास, पर्यावरणीय शिक्षा एवं जागरूकता, मृदा अपरदन, खाद्य सुरक्षा, साहित्य में पर्यावरण चेतना, गांधी का पर्यावरणीय चिंतन आदि पर अपने विचार व्यक्त किये गये ।

समापन सत्र के अतिथियों एवं तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता, रिपोर्टिंग कर रहे विद्वानो को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान से पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजन सचिव डॉ. एस.एस. खींची ने सभी आमंत्रित अतिथियों, मुख्य वक्ताओं, शोधार्थियों, प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया महाविद्यालय परिवार की कान्फ्रेंस आयोजन की सभी समितियों के प्रभारियों एवं सदस्यों द्वारा कॉन्फ्रेंस की सफलता के लिए दिन रात एक कर किये गये कार्यों के लिए आभार प्रकट किया। भूगोल विभाग के सभी विद्वान साथियों डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, डॉ. अरूण शहैरिया, श्री डी.डी. शर्मा एवं डॉ. राजेन्द्र कुमार द्वारा किये गये कॉन्फ्रेंस आयोजन के कार्यों का हृदय की गहराईयों से आभार व्यक्त किया व सभी का धन्यवाद एवं अलविदा कहा ।

INTERNATIONAL CONFERENCE
on
Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development: Issues, Challenges and Prospects

ERMRD-2019

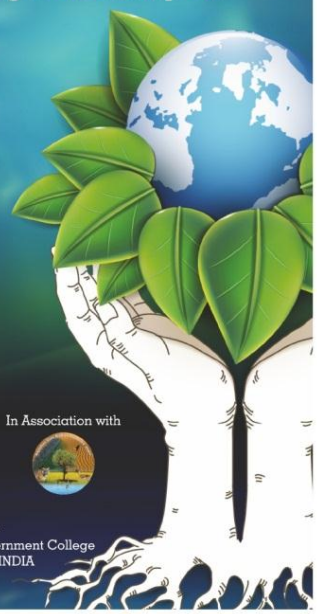

29TH-30TH NOVEMBER 2019

Organized by | In Association with

Department of P.G. Studies in Geography
Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College
Sri Ganganagar (Rajasthan) INDIA

ABOUT THE ERMRD-2019

Environmental ethics believe that humans are a part of society as well as other living creatures, which includes plants and animals. These items are considered to be a functional part of human life, and hence are very important for geography as a social science. It also exerts influence on a larger range of other disciplines as well, including environmental law, environmental sociology, eco-theology, ecological economics and ecology etc. Global warming, global climate change, de-forestation, pollution, resource degradation, threat of extinction are few of the issues from which our planet is suffering and there is a need of the time to understand our moral duty to ensure that we are doing our part to keep the environment safe and protected.

A key part of the challenge of today's world is recognizing that high resource utilization is not an indication of good resource management. We have to find out the models and methods for optimum utilization of various resources involving least destruction and conservation for the next generation to come. The implications and scope of regional development may vary in accordance with various types of regions. Although the perception of a region may play an important role for the planning purpose, yet looking forward to the need of present day's scenario, main focus should be the sustainability in the development process.

The objective of the current international conference is to bring about the eminent scholars of national and international repute on a common platform so as to share their views on the burning issues of geographical importance in general and that related to the focal theme of the conference in particular. The focal theme, "Environmental Ethics, Resource Management and Regional development: Issues, Challenges and Prospects" has been purposefully selected so as to discuss the changing aspects of geographical importance in a spatio-temporal frame in view of environmental awareness, resource management and regional development.

SUB-THEMES

- Environmental Ethics, Education, Administration and Management
- Natural Resource Management and Conservation
- Environmental Issues and Biodiversity
- Global Climate Change and Environmental Dynamics
- Agriculture Distress: Natural Disasters, Soil Erosion and Food Security
- Energy and Water Conservation: Strategies for Arid Environment
- Population, Gender and Health
- Regional development and Infra-structural Planning
- Urban Sustainable Development and Smart Cities
- Advances in Agriculture, Environment and Technology
- Education for Environment and Planning
- Policies for Environmental Protection
- Environmental Governance: Issues and Challenges
- Use of Modern Technology in Natural Resource Management
- Regional Development: Contemporary Challenges

CALL FOR ABSTRACTS/PAPERS

Abstracts/Full Papers are invited from the academicians, professionals and research scholars. Soft copies of abstracts not exceeding 200 words/ full paper 2000-2500 words (including tables, charts and references) on the above mentioned themes/sub-themes will be accepted on or before 22nd Nov. 2019 and should be emailed to **ermrd2019@gmail.com** The author will be intimated about the acceptance of abstract by email. The selected papers will be published in UGC-CARE Listed Journal/ ISBN book with additional charges of Rs. 800. Language: English (Font- Times New Roman, size- 12, Spacing- 1.5) and Hindi (Font- Kruti Dev10, Size-14, Spacing- 1.5)

REGISTRATION FEE

Delegates must summit registration form (email: ermrd2019@gmail.com) along with the registration fee.

Category	Up to 22 Nov. 2019	After 22 Nov. 2019
Faculty Members/ Academicians	Rs. 1200/-	Rs. 1500/-
Research Scholars/ Students	Rs. 800/-	Rs. 1000/-
Accompanying Person	Rs. 1200/-	Rs. 1500/-
Foreign Delegates	USD 30	USD 40
Note: Persons who require accommodation, kindly inform up to 22 Nov. 2019. Accommodation will be provided on payment of Rs. 500 per day with sharing basis.		
* No TA will be given to the participants.		

FIELD TRIP

A visit to Pakistan International Border (Village Hindumalkot) will be arranged for outstation participants.

ABOUT THE CITY

Sri Ganganagar city is located in the northern most part of Rajasthan bordering Punjab and Haryana side. In the western side there is Pakistan International border. It is located at 29˚56' N and 73˚52' E. Temperature during the month of Nov-Dec generally remains between 8˚C and 20˚C. Woolens are required during this period. The city is well connected by rail and road network with New Delhi (430 Km.), Jaipur (460 Km.) and Bathinda (127 Km.)

MODE OF REGISTRATION FEE PAYMENT

Name of the Bank	State Bank of India	Account Holder Name	ERMRD-2019
Branch	Collectorate Branch Sri Ganganagar	A/C No.	38885698471
		IFSC Code	SBIN0031565

ABOUT THE COLLEGE

Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College, Sri Ganganagar (Rajasthan), INDIA is a pioneer co-educational institution in the region to provide opportunities of education to students coming from rural and economically weaker sections of the society in and around Sri Ganganagar. It was initially established as a Secondary School in 1939 by Maharaja Ganga Singh. It was promoted to an Intermediate College in 1946, and graduated to a higher seat of learning in 1954 as Graduation College in Arts and in 1960 with Graduation in Science. The Post Graduation studies began in the college in 1968. The name of the college was changed from Government College to Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College in 2009 by the orders of the State Government. The college was initially affiliated to University of Rajasthan, Jaipur; in 1987 the affiliation was shifted to M.D.S. University, Ajmer. Later on by the orders of the Government of Rajasthan, it was affiliated to the University of Bikaner (presently named as Maharaja Ganga Singh University, Bikaner) in 2003. Presently, the college is a premier institution in academics for educating the students for the degrees of Bachelors, Masters, M. Phil. and Ph.D. in various disciplines.

ABOUT THE DEPARTMENT

Department of Geography in Dr. Bhim Rao Ambedkar Govt. College, Sri Ganganagar, Rajasthan is one of the oldest departments in the state of Rajasthan, which was established in 1969. At present, there are seven posts of faculty members in the department, of which two posts are vacant. There are five associate professors in the department. Two sections of 60 students in each post graduation are running apart from 6 sections of 100 students in each under graduate courses in the Geography department. Earlier the department had organized three national conferences under the banner of Rajasthan Geographical Association in 1976, 1998 and 2008 respectively. The department has produced 26 Ph.D. students, apart from more than 100 M.Phil. students. At present there are 6 ongoing Ph.D. research works in the department and 9 projects have been completed in the department, funded by UGC and ICSSR.

CONFERENCE COMMITTEE

Patron	Convener	Organizing Secretary
Dr. M.S. Poonia Principal	**Dr. R. C. Srivastava** Head, Dept. of Geography	**Dr. Shyam S. Khinchi** Asso. Professor, Geography Mob. : 9414211785

INTERNATIONAL ADVISORY COMMITTEE

Dr. Dil Nath Fule (Nepal)
Dr. Gokhan Zengin (Turki)
Dr. Gourab Karki (Nepal)
Dr. Janchai Yingprayoon (Thailand)
Dr. Kamrul Hussain (Bangladesh)
Dr. Pankaj Koinkar (Japan)
Dr. Panmanas Sirisoboon (Thailand)
Dr. Sofil Ali (Thailand)

NATIONAL ADVISORY COMMITTEE

Prof. Ambadass Jadhav (MS)
Prof. B.C. Vadiya (JNU)
Prof. B.S. Mipun (Shillong)
Prof. D.D. Sharma (Shimla)
Prof. H.S. Sharma (Jaipur)
Prof. M.K. Khandelwal (Jaipur)
Prof. Narender Verma (BHU)
Prof. P.R. Vyas (Udaipur)
Prof. R.B. Singh (Delhi)
Prof. R.D. Doi (Jaipur)
Prof. R.D. Gurjar (Jaipur)
Prof. R.K. Gurjar (Jaipur)
Prof. R.K. Parihar (Jodhpur)
Prof. R.N. Mishra (Jaipur)
Prof. S.C. Kalwar (Jaipur)
Prof. S.N. Prasad (JNU)
Prof. Uma Gole (Raipur)
Prof. V.K. Tiwari (CG)
Asso. Prof. Sunita Pachori (Ajmer)
Dr. D.S. Chouhan (Jaipur)
Dr. Alok Saini (UP)
Dr. Ashish Lambat (MS)
Dr. B. Swaminathan (Gujrat)
Dr. Deepali Neog (Assam)
Dr. Harpreet Singh (Punjab)
Dr. Lakhimi Gogai (Assam)
Dr. M.F.Nadaf (Goa)
Dr. Nilesh Gawande (MS)
Dr. Rajender Kerkar (Goa)
Dr. Rakesh Wadhwa (Haryana)
Dr. Sharap Bhutia (Darjelling)
Dr. Sudhir Puranik (MS)
Dr. Vidhi Bapana (Gujrat)

FORMER HEADS

Dr. H.M. Saxena
Dr. N.R. Kaswan
Sh. Ram Chander Raigar

LOCAL ADVISORY COMMITTEE

Dr. Pushpender Singh
Sh. M.P. Kala
Dr. M.M. Sheikh
Mrs. Namita Agarwal
Dr. Vijay Soni
Sh. Som Prakash
Dr. Hanuman Pd. Arya
Miss. Narender Kaur

ORGANIZING SECRETARIES

Dr. A.K. Shairya
Organizing Secretary (Academic)
Asso. ProfessorGeography
Mob. : 9982600327

Sh. D. D. Sharma
Organizing Secretary (Technical)
Asso. Professor, Geography
Mob. : 9414482133

Dr. R.K. Tak
Organizing Secretary (Admn.)
Asso. Professor, Geography
Mob. : 9414433814

Dr. S. K. Verma
Co-organizing Secretary
Asso. Professor, Geography
Mob. : 9928365815

Department of P.G. Studies in Geography
Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College
Sri Ganganagar (Rajasthan) INDIA
Contact : 9414211785
E-mail : ermrd2019@gmail.com

International Conference on

ENVIRONMENTAL ETHICS, RESOURCE MANAGEMENT AND REGIONAL DEVELOPMENT: ISSUES, CHALLENGES AND ROSPECTS

29-30 Nov. 2019

Minute to Minute

Time	29 November 2019 (Friday)	
9.00 am onwards	Registration of Delegates	
9.30 am-10.30 am	Breakfast	
11.00 am	Inaugural Function	
	Lighting of Lamp (By Guests), Floral Welcome Venue : College Hall	
11.15-11.30 am	Welcome Address	Dr. Madan Singh Poonia (Principal/Chairperson)
11.30-11.45 am	About Conference	Dr. R.C. Srivastava (Convener)
11.45-12.30 pm	Keynote Address	Dr. Rajender Kerkar (Goa)
12.30-01.00 pm	Address by the Chief Guest	Prof. B.C. Vaidya
01.00-01.30 pm	Release of Souvenir by Guests and Memento Distribution to all heads of dept.	
1.30-1.35 pm	Vote of thanks	Dr. S.S. Khinchi (Conference Organizing Secretary)
1.35-2.30 pm	Lunch	
2.30-4.00 pm	I - Technical Session in College Hall	
	Session Chair	Prof. R.K. Parihar
	Session Co-chair	
	II - Technical Session Room NO. 78 (Parallel)	
2.30-4.00 pm	Session Chair	Prof. K.S. Sohel (Former Head, Dept. of Geography, Univ. of Patiala (Punjab))
	Session Co-chair	

4.00-5.00 pm	III - Technical Session in College Hall	
	Session Chair	Prof. S. N. Prasad
	Session Co-chair	
4.00-5.00 pm	IV - Technical Session Room No. 78 (Parallel)	
	Session Chair	Prof. Padnekar (Univ. of Mumbai)
	Session Co-chair	
	National Anthem	
5.00- 7.00 pm	Cultural Programme (College Hall)	
7.30- 9.00 pm	Dinner	

INTERNATIONAL CONFERENCE
ERMRD 2019
on
Environmental Ethics, Resource Management and
Regional Development: Issues, Challenges and Prospects

INTERNATIONAL CONFERENCE
ERMRD 2019
on
Environmental Ethics, Resource Management and
Regional Development: Issues, Challenges and Prospects
29th -30th Novmber 2019
ORGANIZED BY
Department of
P.G. Studies in Geography
Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College
Sri Ganganagar (Rajasthan) INDIA
IN ASSOCIATION WITH
Rajasthan State
Biodiversity Board,
Department of
Science & Technology
INTERNATIONAL CONFERENCE
ERMRD 2019
Dr. Bhim Rao Ambedkar Government College
Sri Ganganagar (Rajasthan) INDIA

INTERNATIONAL CONFERE
on
Environmental Ethics, Resource Management and
Regional Development: Issues, Challenges and Prospe
29th-30th Novmber 2019
Dr. Bhim Rao Ambedkar Government Colleg
Sri Ganganagar (Rajasthan) INDIA
WELCOMES YOU

INTERNATIONAL CONFERENCE
on
Environmental Ethics, Resource Management and
Department of
Science & Technology
Rajasthan

INTERNATIONAL CONFERENCE
on
Environmental Ethics, Resource Management and
29th -30th Novmber 2019
IN ASSOCIATION WITH
Rajasthan State
Biodiversity Board,
Jaipur
Rajasthan
INTERNATIONAL
CONFERENCE

सत्यमेव जयते

CHIEF MINISTER
RAJASTHAN

Message

I ám glad to know that the Department of Geography, Dr. B. R. Ambedkar Govt. College, Sri Ganganagar is organising an International Conference on 'Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development: Issues, Challenges and Prospects (ERMRS-2019) on November 29-30, 2019 in Sri Ganganagar. A Souvenir is also being brought out to mark the occasion.

Environment has become as issue of great concern all over the world. If we do not make efforts to protect it, we will not be able to give a green and clean earth to the next generation. Hope that the conference will address these issues also.

I am sure that the conference will achieve its goals and lead to fruitful outcomes.

I send my warm greetings and felicitation to the organisers and wish the conference all success.

(Ashok Gehlot)

प्रदीप कुमार बोरड़
आई.ए.एस.

सत्यमेव जयते

आयुक्त कॉलेज शिक्षा एवं
विशिष्ठ शासन सचिव
उच्च शिक्षा विभाग, जयपुर

संदेश

मुझे प्रसन्नता है कि डा. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर द्वारा दिनांक 29 एवं 30 नवम्बर 2019 को Environmental Ethics, Resource Management and Regional Development: Issues, Challenges and prospects विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेन्स का आयोजन किया जा रहा है। आज प्राकृतिक संसाधनों के अतिदोहन के फलस्वरूप जो पर्यावरणीय आपदाएं प्रकट हो रही हैं, उनका समूची मानव जाति को सामना करना पड़ रहा है। अतः संसाधनों के उपयोग, उनके संरक्षण एवं दोहन पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया जाना अत्यावश्यक है। वर्तमान परिपेक्ष्य में इस कॉन्फ्रेन्स का आयोजन महत्वपूर्ण भी है और आवश्यक भी।

मैं आशा करता हूं कि अन्तर्राष्ट्रीय एंव राष्ट्रीय शिक्षा जगत एवं शोध के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों को इस सम्मेलन के माध्यम से एक ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो सकेगा, जहां वे शोधकार्यों में परस्पर समन्वय व निष्कर्ष द्वारा समाज को लाभान्वित कर सकेंगे।

मैं इस आयोजन की सफलता की कामना करता हूं।

प्रदीप कुमार बोरड़

प्राचार्य,
डा. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय
श्रीगंगानगर

ब्लॉक नं 4, डॉ. आर.के. शिक्षा संकुल, जे.एल.एन मार्ग, जयपुर–302017 (राज.)
टेलीफैक्स : 0141–2706847, ई–मेल : cce_raj@yahoo.com

Scanned by CamScanner